कंपनियाँ और LLP: राज्य-वार सक्रिय संख्या, 13 जुलाई 2026 तक

कॉर्पोरेट कार्य / आर्थिक संकेतक | समाचार संदर्भ: कंपनियों और LLP की संख्या पर लोक सभा उत्तर, 20 जुलाई 2026 | प्रकाशित: 18 अक्टूबर 2026

पृष्ठभूमि और संदर्भ

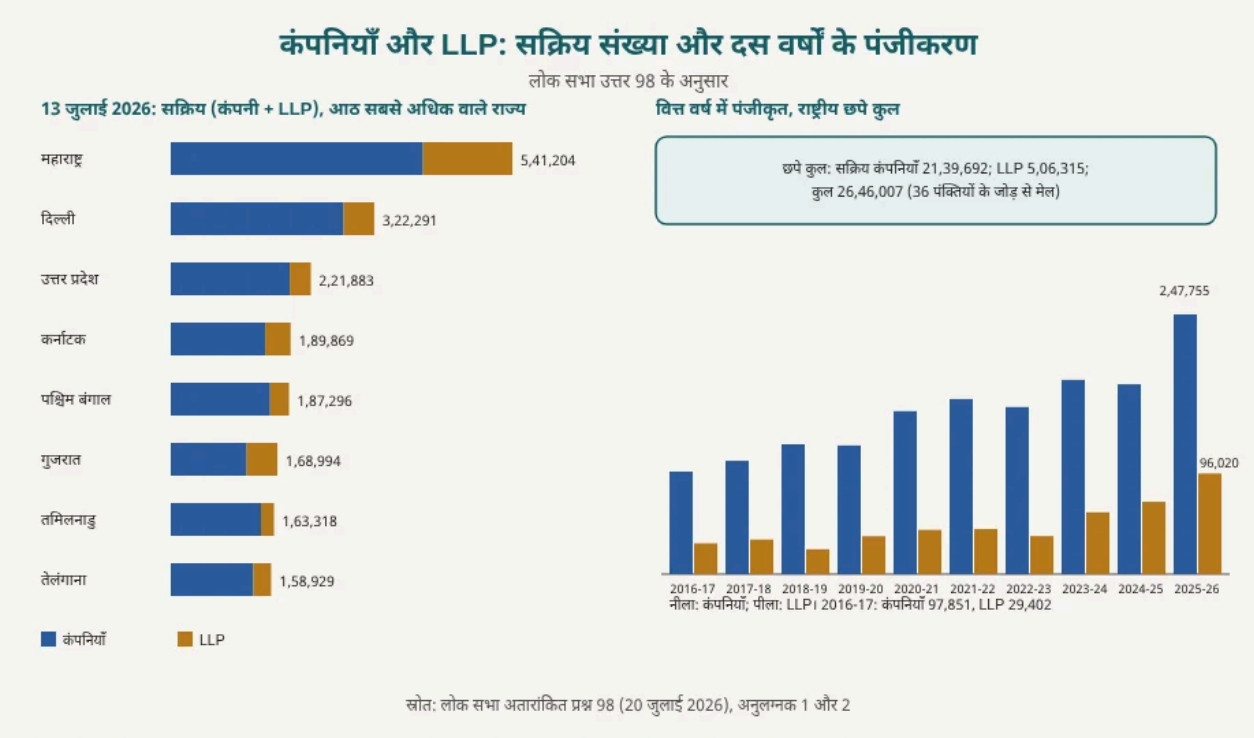
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (MCA) के पास पंजीकृत कंपनियों और सीमित देयता भागीदारी (LLP, Limited Liability Partnership) की राज्य-वार संख्या देश में कारोबार के औपचारिक पंजीकरण की तस्वीर देती है। इस लेख का आधार केवल लोक सभा के एक उत्तर और उसके तीन अनुलग्नक हैं।

खबरों में क्यों

20 जुलाई 2026 (सोमवार) को कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने श्री वरुण चौधरी के लोक सभा अतारांकित प्रश्न 98 (“Number of Companies and LLPs”) का उत्तर दिया। (क) में देश में “presently active” कंपनियों और LLP की राज्य-वार संख्या पूछी गई थी; उत्तर ने इसे “as on 13th July 2026” की स्थिति में अनुलग्नक-1 में दिया। (ख) में पिछले दस वर्षों में पंजीकृत कंपनियों और LLP की वर्ष-वार और राज्य-वार संख्या पूछी गई थी; उत्तर ने वित्त वर्ष 2016-17 से 2025-26 की संख्या अनुलग्नक-2(i) (कंपनियाँ) और 2(ii) (LLP) में दी।

मुख्य अवधारणा: “सक्रिय” संख्या और “दस वर्षों में पंजीकृत” संख्या अलग आधार की हैं

अनुलग्नक-1 की संख्या 13 जुलाई 2026 को “presently active” कंपनियों और LLP की है। अनुलग्नक-2 की संख्या हर वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों और LLP की है। दोनों अलग आधार हैं, इसलिए हमने एक को दूसरे से भाग देकर कोई अनुपात नहीं बनाया। उत्तर यह भी नहीं बताता कि “active” की परिभाषा क्या है।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

मुख्य तथ्य और आंकड़े

सक्रिय संख्या, 13 जुलाई 2026 (अनुलग्नक-1, छपा कुल)	**कंपनियाँ 21,39,692; LLP 5,06,315; कुल 26,46,007। हमारी जाँच में 36 पंक्तियों के जोड़ तीनों स्तंभों में छपे कुल के बराबर हैं और हर पंक्ति में कंपनी + LLP = छपा कुल।**
सबसे अधिक कुल संख्या वाले राज्य (कंपनी + LLP, छपा)	महाराष्ट्र 5,41,204; दिल्ली 3,22,291; उत्तर प्रदेश 2,21,883; कर्नाटक 1,89,869; पश्चिम बंगाल 1,87,296; गुजरात 1,68,994; तमिलनाडु 1,63,318; तेलंगाना 1,58,929। LLP में महाराष्ट्र (1,41,638) के बाद गुजरात (48,600) और दिल्ली (48,474) हैं।
दस वर्षों में पंजीकृत कंपनियाँ (अनुलग्नक-2(i), 2016-17 से 2025-26)	छपा कुल 15,48,564। वर्ष-वार छपे कुल: 97,851; 1,08,074; 1,23,941; 1,22,720; 1,55,379; 1,67,086; 1,59,302; 1,85,318; 1,81,138; 2,47,755। इस तालिका में 35 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र हैं; सिक्किम की पंक्ति नहीं है।
दस वर्षों में पंजीकृत LLP (अनुलग्नक-2(ii), 2016-17 से 2025-26)	छपा कुल 4,67,744। वर्ष-वार छपे कुल: 29,402; 32,937; 23,756; 36,176; 42,187; 43,054; 36,249; 58,990; 68,973; 96,020। इसमें सभी 36 पंक्तियाँ हैं।
2025-26 में सबसे अधिक पंजीकरण (छपी संख्या)	कंपनियाँ: महाराष्ट्र 41,653; उत्तर प्रदेश 27,568; दिल्ली 20,814; कर्नाटक 17,905; तेलंगाना 17,355। LLP: महाराष्ट्र 23,744; गुजरात 9,616; कर्नाटक 7,916; दिल्ली 7,425; उत्तर प्रदेश 7,150।

आँकड़ों की जाँच: जो मेल खाता है और जो नहीं

जो मेल खाता है (हमारी गणना): अनुलग्नक-1 के तीनों छपे कुल पंक्तियों के जोड़ के बराबर हैं। अनुलग्नक-2(i) और 2(ii) में सभी दस वित्त वर्षों के और अंतिम “Total” स्तंभ के छपे कुल पंक्तियों के जोड़ के बराबर हैं और हर पंक्ति में दस वर्षों का जोड़

छपे कुल के बराबर है। कोई अंतर नहीं मिला।

जो छपा है पर स्पष्ट नहीं: अनुलग्नक-1 में सिक्किम की कंपनी वाली कोठरी में "-" छपा है और LLP 80 है; उत्तर इस "-" का अर्थ नहीं बताता। अनुलग्नक-2(i) में सिक्किम की पंक्ति ही नहीं है, जबकि 2(ii) में सिक्किम के LLP की पंक्ति है (कुल 77)। 2(ii) में मिज़ोरम के 2018-19 के खाने में कोई संख्या या "-" नहीं छपा है; उस पंक्ति के शेष नौ खानों का जोड़ छपे कुल 24 के बराबर है। उत्तर इन बातों का कारण नहीं बताता।

दो तालिकाओं की तुलना में एक बात: लद्दाख के लिए दस वर्षों में पंजीकृत कंपनियाँ (74) अनुलग्नक-1 की सक्रिय कंपनियों (70) से अधिक छपी हैं। लद्दाख (4) और नागालैंड (48) में दस वर्षों में पंजीकृत LLP की संख्या सक्रिय LLP की छपी संख्या के बराबर है। जिनकी पंक्ति दोनों तालिकाओं में है, उनमें बाकी सबमें दस वर्षों में पंजीकृत संख्या सक्रिय संख्या से कम है। उत्तर इसका कारण नहीं बताता, और हमने कोई कारण नहीं माना।

वृद्धि (हमारी गणना, केवल एक ही प्रकार के वार्षिक पंजीकरणों की तुलना): 2024-25 से 2025-26 में पंजीकृत कंपनियाँ 1,81,138 से 2,47,755 और LLP 68,973 से 96,020 हुए, यानी क्रमशः लगभग 36.8 प्रतिशत और 39.2 प्रतिशत अधिक। 2019-20 में कंपनियों का छपा कुल (1,22,720) 2018-19 (1,23,941) से कम है; LLP में 2018-19 (23,756) 2017-18 (32,937) से कम है। उत्तर इन उतार-चढ़ावों का कारण नहीं बताता।

जो पूछा गया बनाम दिया गया: दोनों भाग (क) और (ख) का उत्तर तालिकाओं में है। उत्तर में कंपनियों के प्रकार (निजी/सार्वजनिक), पंजीकृत लेकिन अब सक्रिय न रहीं इकाइयों की संख्या या "active" की परिभाषा नहीं है।

महत्व: पंजीकरण-आधार की तस्वीर, पर सीमाएँ साथ

कुछ राज्यों में संकेंद्रण: छपे आँकड़ों में सक्रिय कंपनियाँ और LLP सबसे अधिक महाराष्ट्र (5,41,204) और दिल्ली (3,22,291) में हैं। LLP में गुजरात (48,600) दिल्ली (48,474) से थोड़ा आगे है, जबकि कंपनियों में दिल्ली (2,73,817) गुजरात (1,20,394) से बहुत आगे है।

2025-26 में पंजीकरण का ऊँचा आँकड़ा: दस वर्षों में दोनों प्रकार के सालाना पंजीकरण की छपी संख्या 2025-26 में सबसे अधिक है। यह पंजीकरण की संख्या है; उत्तर यह नहीं बताता कि कितनी इकाइयाँ चालू हैं या कितना कारोबार या रोज़गार जुड़ा है।

चुनौतियाँ और जो उत्तर में नहीं है

पूछा गया, पर नहीं मिला: "active" की परिभाषा; पंजीकृत और सक्रिय संख्या के अंतर का ब्योरा; कंपनियों के प्रकार।

अनसुलझे बिंदु: सिक्किम की "-" प्रविष्टि और 2(i) में पंक्ति का अभाव; मिज़ोरम 2018-19 का खाली खाना; लद्दाख में पंजीकृत कंपनियों का सक्रिय से अधिक होना।

जो हमने नहीं पढ़ा: हमने केवल लोक सभा अतारांकित प्रश्न 98 का आधिकारिक पाठ और अनुलग्नक पढ़े। कंपनी अधिनियम, MCA के पोर्टल के आँकड़े और अन्य रिपोर्टें नहीं पढ़ी गईं।

आगे की राह

इसे 20 जुलाई 2026 के उत्तर की दिनांकित सरकारी जानकारी मानें; "active" की परिभाषा और अंतरों की व्याख्या तब हो सकेगी जब मंत्रालय उसे प्रकाशित करे।

अवधारणा में अंतर

तीन बातें अलग रखें: (1) 13 जुलाई 2026 की सक्रिय संख्या; (2) वित्त वर्ष में पंजीकृत संख्या; (3) कंपनी और LLP। हमारी गणना और उत्तर के छपे कुल भी अलग रखें।

मेंस दृष्टि

GS-III: भारतीय अर्थव्यवस्था और कारोबार का औपचारिकरण; GS-II: कॉर्पोरेट शासन से जुड़े संस्थान।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

कंपनियों और LLP की राज्य-वार पंजीकरण-संख्या से देश में कारोबार के औपचारिक पंजीकरण के बारे में क्या निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं और कौन-सी सीमाएँ ध्यान में रखनी होंगी?

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: MCA, कंपनी और LLP, प्रश्न 98 (20.07.2026)।

मुख्य भाग में: सक्रिय संख्या (13.07.2026) और राज्य-वार संकेंद्रण; दस वर्षों के पंजीकरण और 2025-26; आधार का अंतर (सक्रिय बनाम पंजीकृत); छपी तालिकाओं में सिक्किम, मिज़ोरम और लद्दाख के बिंदु; उत्तर में क्या नहीं (परिभाषा, प्रकार)।

निष्कर्ष में: औपचारिक पंजीकरण की तस्वीर को सक्रिय संस्थाओं, नए पंजीकरणों और स्थिति-तिथि के अलग आधार पर पढ़ें; क्षेत्रीय संकेंद्रण व तालिका-अंतरों से परिभाषा या वास्तविक कारोबार का अतिरिक्त निष्कर्ष न गढ़ें।

स्रोत

- लोक सभा अतारांकित प्रश्न 98 और उत्तर, 20.07.2026 (संसद का आधिकारिक PDF; अनुलग्नक 1, 2(i), 2(ii) सहित)

स्रोत: लोक सभा अतारांकित प्रश्न 98 का आधिकारिक पाठ और अनुलग्नक पढ़े गए और छपे कुल जोड़कर जाँचे गए। कंपनी अधिनियम और MCA पोर्टल नहीं पढ़े गए।

याद रखें: लोक सभा उत्तर के अनुसार 13 जुलाई 2026 को 21,39,692 कंपनियाँ और 5,06,315 LLP, कुल 26,46,007, सक्रिय थीं, और 2025-26 में पंजीकृत कंपनियाँ (2,47,755) और LLP (96,020) दस वर्षों में सबसे अधिक छपी हैं; सिक्किम, मिज़ोरम और लद्दाख की कुछ प्रविष्टियाँ ऐसी हैं जिनका कारण उत्तर में नहीं है।